

बस यही अरदास माँ,  
हर बार करता हूँ,  
मेरे घर भी आओ माँ,  
इँतजार करता हूँ ॥

तर्ज बस यही अपराध में ।

कैसे देखूँ तुमको मइया,  
मै इन आँखो से,  
जी नही भरता मेरा,  
दुनिया की बातो से,  
ध्यान करूँगा मैया मै,  
इकरार करता हूँ,  
मेरे घर भी आओ माँ,  
इँतजार करता हूँ ॥

न माँगू मै हीरे मोती,  
न दौलत और माया,  
मेरे सिर पर सदा रहे माँ,  
तेरी दया का साया,  
अपना सब कुछ तुम पे माँ,  
बलिहार करता हूँ,  
मेरे घर भी आओ माँ,  
इँतजार करता हूँ ॥

करना चाहो माँ जो मुझपे,  
यह दया करदो,  
भक्ती रूपी दौलत से,  
झोली मेरी भरदो,  
हर पल तेरी सेवा करूँ,  
ये वादा करता हूँ,  
मेरे घर भी आओ माँ,  
इँतजार करता हूँ ॥

बस यही अरदास माँ,,  
हर बार करता हूँ,  
मेरे घर भी आओ माँ,  
इँतजार करता हूँ ॥

– भजन लेखक एवं प्रेषक –  
श्री शिवनारायण वर्मा,  
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं ।

Source: <https://www.bharattemples.com/bas-yahi-aradas-maa-har-bar-karta-hun/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>